Printed Pages – 4

AI-1403

M. A. (Final)

Term End Examination, 2020-21

PHILOSOPHY

Paper : Fourth (A)

(शंकर का अद्वैत वेदान्त)

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 100

Minimum Pass Marks : 36

*नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

*Note : Answer all questions. **One** question from each unit is compulsory. All questions carry equal marks.*

इकाई-I
Unit-I

1. शंकर के अनुसार तथा अविद्या के मध्य सम्बन्धों को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the relation between Maya and Avidya according to Shankar.

अथवा

Or

ख्याति का क्या अर्थ है? किन्हीं तीन ख्यातियों को उदाहरणों की सहायता से समझाइए।

What is the meaning of Khyati? Explain any three Khyaties with the help of examples.

इकाई-II
Unit-II

2. 'जन्माद्यस्य यतः' सूत्र में वर्णित ब्रह्म के लक्षणों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

Explain the characteristics of Brahma according to Janmandhyasya Yata: Sutra in detail.

अथवा

Or

शास्त्रोनित्वात सूत्र की स्पष्ट व्याख्या कीजिए।

Describe clarify the Shastrayonitvata

इकाई-III
Unit-III

3. शंकर ने किस प्रकार न्याय वैशेषिक मत के परमाणुवाद का खण्डन किया है ? विस्तृत व्याख्या कीजिए।

Describe in detail how Shankara refuted the atomic theory of Nyaya Vaishashika.

अथवा

Or

शंकर किस प्रकार जैन मत के सिद्धान्तों का खण्डन करते हैं ? समझाइए।

Explain how does Shankar refute the theories of Jain philosophy?

इकाई-IV
Unit-IV

4. शंकर के अनुसार जगत का स्वरूप क्या है ? जगत तथा ब्रह्म के सम्बन्धों को स्पष्ट कीजिए।

What is the nature of the world according to Shankara? Clarify the relations between World and Brahma.

अथवा

Or

शंकर के अनुसार आत्मा तथा जीवन के स्वरूप को समझाइए।

Explain the nature of Atma and Jiva according to Shankara.

इकाई-V
Unit-V

5. मोक्ष की प्राप्ति हेतु ज्ञान तथा कर्म में से कौन आवश्यक है ? स्पष्ट कीजिए।

Which is more important in attaining Moksha, Knowledge and Karma? Clarify.

अथवा

Or

रामानुज द्वारा शंकर के मायावाद का खण्डन समझाइए।

Explain the refutation of Mayavada of Shankar by Ramanuja.